राजकीय महाविद्यालय कमांद में नशा मुक्त उत्तराखंड एवं संविधान दिवस समारोह की रिपोर्ट

महाविद्यालय: राजकीय महाविद्यालय कमांद, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड

दिनांक: 26 नवंबर 2025

कार्यक्रम: नशा मुक्त उत्तराखंड एवं संविधान दिवस

स्थान: राजकीय महाविद्यालय कमांद

प्रस्तावना

राजकीय महाविद्यालय कमांद में दिनांक **26 नवंबर 2025** को **नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान** एवं **संविधान दिवस** के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में **ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र, चिन्यालीसौड़** की टीम ने विशेष रूप से सहभागिता की तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संविधान दिवस का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान दिवस के उपलक्ष्य में **'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन** से किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों को **संविधान की शपथ** दिलाई गई। सामूहिक शपथ के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण तथा अपने नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की **प्राचार्य** ने संविधान एवं 'वन्दे मातरम्' की उपयोगिता और महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है तथा इसके मूल्यों को समझना और उनका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान में निहित **न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता** जैसे मूल्यों को अपने आचरण में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

नशा मुक्त उत्तराखंड के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम

संविधान दिवस की गतिविधियों के पश्चात **नशा मुक्त उत्तराखंड** अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर **ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र चिन्यालीसौड़** से आए प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए नशीले पदार्थों से होने वाली शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक हानियों के बारे में जानकारी दी।

ब्रह्माकुमारी संस्था की टीम ने विद्यार्थियों को समझाया कि युवा अवस्था जीवन निर्माण का महत्त्वपूर्ण समय है। इस अवधि में नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को नशे से स्वयं दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए **नशे के दुष्प्रभावों** पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशे से पूर्णतः दूर रहने तथा अपने जीवन को रचनात्मक एवं सकारात्मक दिशा देने की सलाह दी।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सहभागिता

कार्यक्रम में **ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र, चिन्यालीसौड़** की ओर से **उनियाल भाई जी, विनोद भाई जी** एवं **भानु जी** उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए नशामुक्त जीवन के महत्त्व को समझाया तथा आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उनकी सहभागिता से कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं नैतिक दृष्टिकोण भी प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि आत्म-संयम, दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक जीवन-मूल्यों के माध्यम से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

विद्यार्थियों की सहभागिता

कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से संविधान की शपथ ली तथा नशामुक्त जीवन के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की गई।

उपलब्ध छायाचित्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सामूहिक रूप से शपथ लेते हुए तथा नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता से संबंधित गतिविधियों में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टर एवं चित्र भी कार्यक्रम की रचनात्मकता और प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

महाविद्यालय परिवार की सहभागिता

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर **डॉ. शैफाली शुक्ल, डॉ. राकेश मोहन नौटियाल, डॉ. बीना जोशी, श्रीमती नीना शर्मा, श्री दीपक राणा** सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय परिवार द्वारा संविधान के प्रति सम्मान तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य

कार्यक्रम के माध्यम से निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास किया गया—

1. विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के महत्व एवं मूल्यों से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों में संवैधानिक कर्तव्यों एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना।
3. युवाओं को नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराना।
4. विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना।
5. स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना।
6. 'नशा मुक्त उत्तराखंड' अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
7. विद्यार्थियों में आत्म-संयम, सकारात्मक सोच एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।

कार्यक्रम का महत्व

नशामुक्ति एवं संविधान दिवस को एक साथ जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मनाना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। एक ओर संविधान दिवस ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक कर्तव्यों से परिचित कराया, वहीं दूसरी ओर नशामुक्ति कार्यक्रम ने उन्हें स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन के लिए प्रेरित किया।

युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की महत्वपूर्ण शक्ति होता है। यदि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से बचाकर शिक्षा, रचनात्मकता, अनुशासन एवं राष्ट्रनिर्माण की दिशा में प्रेरित किया जाए तो इसका व्यापक सामाजिक प्रभाव पड़ सकता है। इसी दृष्टि से महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता एवं युवा सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

निष्कर्ष

राजकीय महाविद्यालय कमांद में दिनांक **26 नवंबर 2025** को आयोजित **नशा मुक्त उत्तराखंड एवं संविधान दिवस कार्यक्रम** सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत 'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुई तथा विद्यार्थियों को संविधान की शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्य ने संविधान एवं 'वन्दे मातरम्' की उपयोगिता पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र चिन्यालीसौड़ की टीम ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया। **उनियाल भाई जी, विनोद भाई जी एवं भानु जी** की सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रभावी बनाया।

विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम ने **संवैधानिक चेतना, नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और जिम्मेदार नागरिकता** का प्रभावी संदेश दिया। इस प्रकार यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना विकसित करने की दिशा में एक सफल एवं प्रेरणादायी प्रयास सिद्ध हुआ।

संलग्नक: कार्यक्रम के छायाचित्र एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जागरूकता पोस्टर/चित्र।

प्रोफेसर गौरी सेवक
प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय कमान्द
टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड

प्राचार्या
राजकीय महाविद्यालय,
कमान्द, टिहरी गढ़वाल।

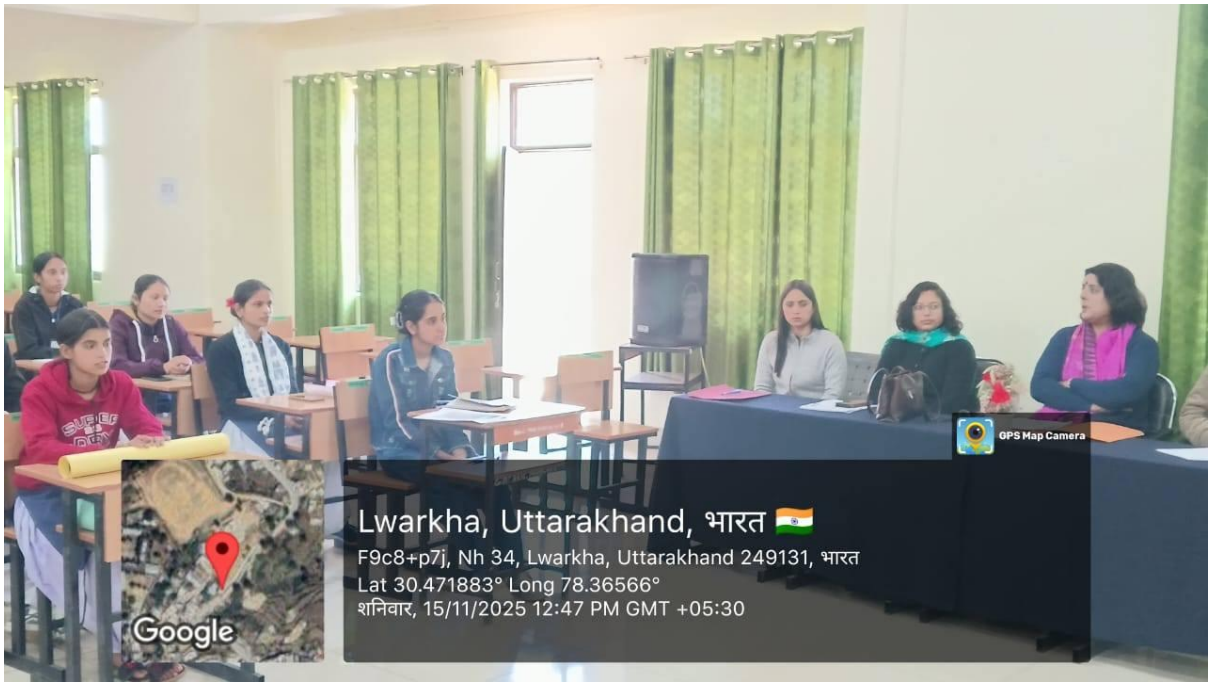
डॉ. राकेश मोहन नौटियाल
सहायक आचार्य, इतिहास विभाग
संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी संयोजक,

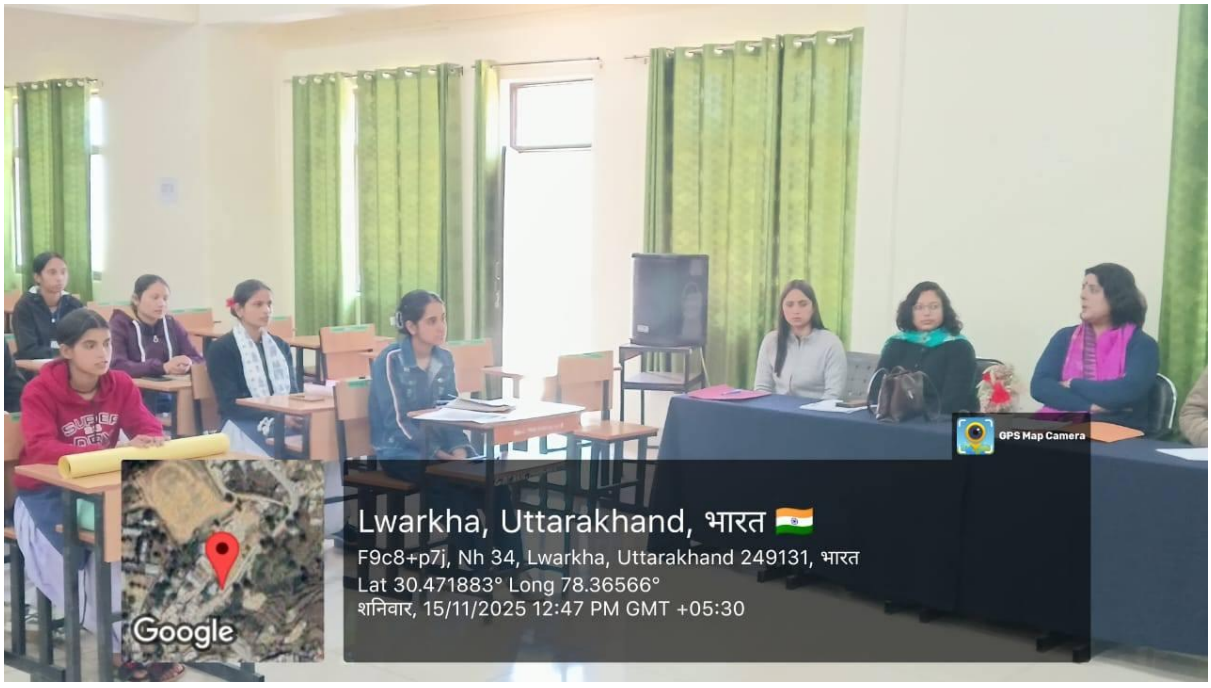

राजकीय महाविद्यालय कमांद
GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471902° Long 78.365647°
शनिवार, 15/11/2025 01:07 PM GMT +05:30
Google


राजकीय महाविद्यालय कमांद
GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471902° Long 78.365647°
शनिवार, 15/11/2025 01:07 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471885° Long 78.36568°
शनिवार, 15/11/2025 01:05 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471885° Long 78.36568°
शनिवार, 15/11/2025 01:05 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत 🇮🇳
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471883° Long 78.36566°
शनिवार, 15/11/2025 12:47 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत 🇮🇳
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471883° Long 78.36566°
शनिवार, 15/11/2025 12:47 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471917° Long 78.365655°
शनिवार, 15/11/2025 01:12 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471933° Long 78.365667°
शनिवार, 15/11/2025 01:05 PM GMT +05:30
Google


GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471902° Long 78.365647°
शनिवार, 15/11/2025 01:07 PM GMT +05:30
Google


GPS Camera App
20.8
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
7.2
33%
1177.900...
34
Google

GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
20.8
7.2
33%
1177.900...
34
Google

प्रशासनिक भवन
F9F9+V42, Chopra, Uttarakhand
249131, India
30.4750128° 78.3698232°
12:49 PM 26/11/2025

GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
20.8
7.2
33%
1177.900...
34
Google

GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
20.8
7.2
33%
1177.900...
34
Google

प्रशासनिक भवन
नशा मुक्त
भारत अभियान

GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25 11:04 am
7.2
33%
1177.900...
20.8
34
Google
Sank


नशा मुक्त
भारत अभियान
MIKE


नशा मुक्त भारत अभियान
GPS Map Camera
Lwarkha, Uttarakhand, भारत
F9c8+p7j, Nh 34, Lwarkha, Uttarakhand 249131, भारत
Lat 30.471893° Long 78.365878°
बुधवार, 26/11/2025 12:01 PM GMT +05:30
Google

प्रशासनिक भवन
GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
20.8
7.2
33%
1177.900...
34
Google
GPS Camera App
F9C8+P7J, NH 34, Lwarkha,
Uttarakhand 249131, India
Lat: 30.471969° N, Lng: 78.365724° E
26-11-25
11:04 am
20.8
7.2
33%
1177.900...
34
Google

नई चेतना अभियान के तहत महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में युवाओं की भूमिका पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



नैनीताल, हल्द्वानी। इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित नई चेतना मुहिम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की भूमिका, विशेषकर छात्राओं की, हिंसा की रोकथाम, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर सक्रिय सहभागिता बढ़ाना था। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई डॉ. रिंकू पंत ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय की नई चेतना पहल के उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि यह अभियान युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है, जिसमें मानसिक, सामाजिक और शारीरिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाता है। डॉ. पंत ने कहा कि एनएसएस हमेशा से समाज में बदलाव लाने वाली गतिविधियों का नेतृत्व करता रहा है और नई चेतना अभियान उस प्रयासों को और आगे बढ़ाने का अवसर देता है। उन्होंने यह भी बताया कि गांवों और स्कूलों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं ताकि लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती दी जा सके और युवाओं में आत्मविश्वास बढ़े। इसके बाद लेफ्टिनेंट डॉ0 रेखा जोशी ने छात्राओं को नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक मुद्दों में युवाओं की सक्रियता के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। इसके बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से दिनेश लोधानी ने नशा मुक्ति, स्वस्थ जीवन शैली और टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि छोटी आदतें भी जीवन की दिशा बदल सकती हैं और युवाओं को समाज में उदाहरण बनकर नेतृत्व करना चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर आभा शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल जानकारी नहीं देते, बल्कि व्यवहार और सोच में सकारात्मक बदलाव भी लाते हैं। उन्होंने कहा कि नई चेतना जैसे अभियान छात्राओं में नेतृत्व, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की मजबूत बनाते हैं और महाविद्यालय हमेशा ऐसी पहलों का हिस्सा बने रहने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीता पंत ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रभाष, डॉ. फकीर सिंह, डॉ. हिमानी सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने छात्राओं को सक्रिय रूप से इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

विवाहित पुत्री की संपत्ति पर वृद्ध माता-पिता का हो अधिकार: युवा संसद में विधेयक हुआ पारित

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



चमोली, गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में युवा संसद 2025 आयोजित की गई। इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराना, नेतृत्व के गुण का विकास, सामूहिक निर्णय और जनसमस्याएं पर विचार करने की क्षमता विकसित करना है। मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष गोपेश्वर संदीप रावत ने सभी युवा सांसदों को जनता की बात रखने पर बधाई दी और संसदीय कार्यप्रणाली के कुशल प्रदर्शन पर खुशी प्रकट की। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य प्रो0 एम0पी0 नगवाल ने कहा कि युवा संसद के सदस्यों को शुभकामनाएं दी और अपेक्षा की, कि समस्याओं के निराकरण में भूमिका निभाएंगे। युवा संसद में संसदीय प्रक्रिया और शिष्टाचार को दिखाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि दीपक भट्ट रहे। युवा संसद में संसदों की शपथ,राष्ट्रपति अभिभाषण, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विधेयक पर चर्चा, विधेयक पारित, जनसरोकार के प्रश्नों के जवाब मंत्रीगणों द्वारा संसय एवं जिम्मेदारी से दिया गया। युवा संसद कशिश ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फोटोज की एआई एडिटिंग से महिलाओं की गरिमा के उल्लंघन मामले पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा। युवा संसद सोहन ने लोकमहत्व का प्रश्न उठाते हुए सरकार द्वारा कल्याणकारी सहायता को वित्तीय अनुशासन के अनुरूप क्रम से जोड़ने का प्रस्ताव रखा। युवा संसद चर्चाओं ने गैर सरकारी विधेयक के माध्यम से महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विपक्ष मंत्री यशोदा ने बेटी को माता पिता की संपत्ति में भी भागीदारी एवं सहयोग सुनिश्चित करने का विधेयक भी रखा। युवा संसद में स्नेहलता ने अध्यक्ष, सौमिल ने प्रधानमंत्री एवं दीपा ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई। संयोजक डॉ0 जगमोहन सिंह नेगी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य,समिति सदस्य एवं युवा सांसदों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ डी एस नेगी ने किया और परिचय डॉ मनीष कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य को रेखांकित किया दिया। विभाग की सहायक प्रजापिका कनिका बड़वाल शोध छात्र ऋतिक राणा पंकज सती एवं कुमारी साक्षी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। साथी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 पी0 एल0 शाह, डॉ0 हर्षी खंडूरी, डॉ0 दिगपाल कंडारी, डॉ0 सौरभ कुमार डॉ0 चंदा, डॉ0 शिवानी, डॉ0 रचना टम्टा, डॉ0 आर0 चन्दीवाल, डॉ0 अभय कुमार, डॉ0 राकेश कुमार मिश्र, डॉ भावना मेहरा, डॉ0 प्रियंका उनियाल, डॉ0 वंदना लोहनी, डॉ0 रंजू बिष्ट, डॉ0 विनीता नेगी, डॉ0 नीलांजना राजपूत, डॉ0 प्रेम लता, डॉ0 प्रियंका राणा, डॉ सुमित सजवाण, डॉ0 रमन बहुगुणा, डॉ0 सुगीर कोठियाल, डॉ0 अंकित चमोली, श्री योगेन्द्र लिंगवाल, श्री नीरज, श्री सर्वेश, श्री सोडन,आदि सहित एनसीसी एनएसएस रोवर रेंजर के स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम राजकीय विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे उत्तराखण्ड कर रहा तेजी से प्रगति : रमेश पोखरियाल 'निशंक'

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर यूकॉस्ट द्वारा 28 नवम्बर 2025 को ग्राफिक एरा (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून में 20वीं उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन (उरास्ट 2025) के प्रारंभिक सत्र और विज्ञान प्रदर्शनी का पण्ड उद्घाटन किया गया । इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, नवाचारी उद्यमियों, युवा प्रतिनिधियों तथा समुदाय आधारित संगठनों ने भाग लिया, जिनका उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक चेतना और आपदा-प्रबंधन शमता को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ह्यनिशंकह्ण ने राज्य की वैज्ञानिक प्रगति, शिक्षा तथा नवाचार में बढ़ती उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान-आधारित विकास ही उत्तराखण्ड के अगामी 25 वर्षों की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संकेतों को समझने की आवश्यकता है। एनडीएमए के सदस्य और मुख्य वक्ता डॉ. डी.के. असवाल ने उभरती प्रौद्योगिकियों, वैज्ञानिक मॉडलिंग और समुदाय-केंद्रित नीतियों की भूमिका को आपदा-रोधी समाज निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समुदायों की सुदृढ़ बनाकर ही आपदा प्रबंधन में विश्वसनीय पर पहचान बनाई जा सकती है। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि उत्तराखण्ड हृदयेभूमिह्ण के साथ-साथ हृदुत्तिफभूमिह्ण भी है, और विज्ञान आपदा प्रबंधन सम्मेलन व उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन जैसे मंच पूरी दुनिया के लिए समाधान देने में सक्षम हैं। आईटीडीए के निदेशक आलोक कुमार पाण्डे (आई.ए.एस.) ने आपदा प्रबंधन में डिजिटल उपकरणों और एआई आधारित प्रणाली के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमें छोटी छोटी आपदाओं से सबक लेना चाहिए। राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री विनय कुमार रहेरा ने संस्थागत समन्वय और समुदाय आधारित तैयारी को पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अनिवार्य बताया। इस अवसर पर सम्मेलन की विज्ञानिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर भूपेंद्र यादव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार ने वीडियो स्टेज के माध्यम से सबको संबोधित किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के सुझाव सम्पूर्ण विश्व के लिए लाभकारी होंगे। सत्र का समापन ग्राफिक एरा डीम्ड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. नरपिंदर सिंह द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विज्ञान प्रौद्योगिकी सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ दीपी डंगवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विभिन्न वैज्ञानिक और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, शोधार्थी और राज्य के सभी स्तंभ से आए विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

श्री देव सुमन विश्वविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए हुआ काउंसलिंग एवं मोटिवेशनल टॉक का आयोजन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



देहरादून, ऋषिकेश। पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश ओदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र प्रकोष्ठ एवं टेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में रुस्सा हाल में परिसर छात्र-छात्राओं के लिए काउंसलिंग एवं मोटिवेशनल टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें पुरातन छात्र के रूप में आगरकर विभाग के डिप्टी कमिश्नर रिटायर्ड श्री नरेश कुमार सेंगल ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव को छात्रों के साथ साझा किया। उन्होंने समय का सदुपयोग एवं किताब पढ़ने का महत्व बताया। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक प्रो०सुरमान आर्य ने मुख्य उक्ता का परिचय कराया एवं बताया कि जन्तु विज्ञान विभाग में शोध छात्र के रूप में शोध छात्रवृत्ति लेने वाले वे पहले विद्यार्थी थे।इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रोफेसर महावीर सिंह रावत ने सबका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में छात्र छात्राओं को नई दिशा प्राप्त होती है।कार्यक्रम के अन्त में परिसर के निदेशकप्रो० एम०एस० रावत एवं संयोजक प्रो० सुरमान आर्य ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेन्ट किया।विज्ञान संकाय के डीन प्रो० एस० पी० सती एवं कामर्स संकाय के डीन प्रो० विजय प्रकाश ओनत्सव ने भी छात्र छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद कार्यक्रम के सहसंयोजक डा० शालिनी रावत ने किया।इस अवसर पर प्रो० पी०के० सिंह, प्रोफेसर विजय प्रकाश ओवास्तव,डा० शालिनी रावत,डा० एस० के० कुडियाल, डॉ प्रीति खण्डूड़ी,डा० एस०के० नौटियाल,परिसर के छात्र छात्राएँ एवं शोध छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

'पी जी कालेज कर्णप्रयाग मे फरवरी माह मे संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी'

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



चमोली, कर्णप्रयाग। डॉ शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग चमोली मे संस्कृत विभाग द्वारा 20 एवं 21 फरवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगोजन होगी, जिसे भारतीय शास्त्रीय अनुसंधान परिषद (ICPR) एंव डॉ शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग संस्कृत विभाग द्वारा द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आगोजित की जायेगी। संगोष्ठी का मुख्य विषयः- भारतीय दर्शनः "आत्मनिर्भर भारत का आधार" विषय पर विचारों और शोधों को साझा करने के लिए एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शिक्षाविद,शोधकर्ता, नीति निमार्ताओं और छात्र एंव छात्राओं जैसे विभिन्न वर्ग के लिए के लिए अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर हैं।राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ मृगांक मलासी ने कहाँ कि राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सभी प्राध्यापक एंव शोधार्थी के शोध सारांश एंव शोध पत्र हिन्दी एंव अंग्रेजी दोनो माध्यम के 15 दिसम्बर तक आमंत्रित किए गए है। जिसके लिए महाविद्यालय स्तर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है राष्ट्रीय संगोष्ठी मे प्रस्तुत शोध पत्र को राष्ट्रीय स्तर पर आईसबीएन पुस्तक एंव जर्नल मे प्रकाशित किया जायेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राम अवतार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय के लिए गर्व का समय है कि संस्कृत विभाग द्वारा महाविद्यालय मे तीसरी बार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे राष्ट्रीय स्तर संगोष्ठी हमारे अपने पाठ्यक्रम से परे जाकर नई आयामों को समझने और विभिन्न दृष्टिकोणों से समस्याओं को समझने का एक अवसर देता है साथ ही महत्वपूर्ण विषयों पर ज्ञान और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। सभी प्राध्यापक एंव शोधार्थी, छात्र एंव छात्राओं को इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाए एंव राष्ट्रीय संगोष्ठी मे अधिक से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत करें।

महाविद्यालय कमांद में धूमधाम से मनाया गया नशा मुक्त उत्तराखंड और संविधान दिवस

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



टिहरी गढ़वाल, कमांद। नशा मुक्त उत्तराखंड और संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केंद्र चिन्यालीसौड़ की टीम ने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को नशा मुक्त और नशा से दूर रहने की शिक्षा दी। इससे पहले संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर बंदे मातरम् का गायन किया गया और छात्रों को संविधान की शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय की प्राचार्य ने इस अवसर पर विधान और बंदे मातरम् की उपयोगिता पर व्याख्यान दिया इसके साथ साथ उन्होंने महाविद्यालय के छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया। और उनसे दूर रहने की सलाह दी।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी श्री और से उनियाल भाई जी, विनोद भाई जी और भानु जी उपस्थित रहे इस अवसर पर महाविद्यालय से डॉ शैफाली शुक्ल, डॉ राकेश मोहन नौटियाल, डॉ दीपक राणा,डॉ चीना जोशी, नीना शर्मा, और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गजा मे 2 दिसम्बर को आयोजित किया जा रहा है तहसील दिवस : डी पी उनियाल

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



गजा, नरेंद्र नगर। विधानसभा क्षेत्र के गजा में आगामी 2 दिसम्बर 2025 को तहसील दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी टिहरी नितिका खंडेलवाल ने अपने पत्रांक संख्या 1241/ 31- 43 /वाचक दिनांक 27 नवम्बर को उप जिलाधिकारी नरेंद्र नगर व तहसीलदार गजा को तहसील दिवस आयोजन की व्यवस्था बनाने के लिए पत्र प्रेषित किया है, तहसीलदार गजा विनोद तिवारी ने बताया कि जिलाधिकारी टिहरी नितिका खंडिलवाल की अध्यक्षता में तहसील दिवस आयोजित किया जा रहा है जिसमे जनपद स्तरीय सभी विभागों के अधिकारियों को आवश्यक रूप से उपस्थित/प्रतिभाग करने के लिए कहा गया है। तहसीलदार गजा ने बताया कि तहसील दिवस शहीद विक्रम सिंह नेगी राजकीय पालिटेकनिक भवन के हॉल मे रखा गया है। राजकीय पालिटेकनिक भवन में बैठने की व्यवस्था की गई है, उन्होंने तहसील स्तरीय सभी जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए, तहसील दिवस मे आने के लिए कहा है साथ ही अपनी अपनी ग्राम पंचायत में जनता को अवगत कराने के लिए कहा है, तहसीलदार गजा विनोद तिवारी ने तहसील स्तरीय राजस्व उप निरीक्षकों एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों से भी प्रचार प्रसार के लिए कहा है।

महाविद्यालय में उल्लासपूर्वक मनाया गया भारतीय संविधान निर्माण दिवस

बुलन्द वाणी संजय राजपूत



ऊधमसिंह नगर, नानकमत्ता। महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय, नानकमत्ता में भारतीय संविधान निर्माण दिवस धूमधाम एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम् के सामूहिक गायन से किया गया। मुख्य अतिथि का संबोधन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन-व्यवस्था का आधार है, बल्कि यह राष्ट्र के लोकतांत्रिक चरित्र, सामाजिक न्याय और नागरिक स्वतंत्रता की आधारशिला भी है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण दिवस हमें संविधान सभा के सदस्यों के त्याग, चिंतन और दृष्टि को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है।

डॉ. राणा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व—को जीवन में उतारकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अंजला दुगपाल ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह भारतीय समाज की विविधताओं को एक सूत्र में पिरोने वाला सांस्कृतिक एवं नैतिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की यह जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों में संवैधानिक साक्षरता, उत्तरदायित्व एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का विकास करें। प्रो. दुगपाल ने विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ने और उसके आदर्शों को व्यवहार में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. रवि जोशी ने कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, जिसका अध्ययन प्रत्येक छात्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया, प्रारूप समिति के योगदान और भारतीय संविधान की मौलिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विश्व के सर्वाधिक व्यापक और प्रगतिशील संविधानों में से एक है। डॉ. जोशी ने विद्यार्थियों को संविधान के अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के पालन पर भी बल दिया। वरिष्ठ प्राध्यापकों के विचार कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. निवेदिता अवस्थी ने संविधान के सामाजिक आयामों पर चर्चा करते हुए कहा कि संविधान ने भारत में सामाजिक समानता, लैंगिक न्याय तथा समावेशी विकास को दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही संविधान के आदर्शों को व्यापक समाज तक पहुँचाया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ममता सुयाल ने कहा कि संविधान भारतीय नागरिकों को अधिकारों के साथ-साथ एक मजबूत नैतिक ढाँचा भी प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण, सामाजिक सद्भाव तथा संवैधानिक मर्यादाओं के पालन हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा, महाविद्यालय की प्राध्यापिका प्रोफेसर अंजला, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. मृत्युंजय शर्मा, डॉ. निवेदिता अवस्थी, डॉ. ममता सुयाल, डॉ. चंपा टम्टा, डॉ. उमेश जोशी, डॉ. स्वाति लोहनी, डॉ. मंजुलता जोशी, डॉ ललिता सिंह बिष्ट, डॉ. रवि जोश, डॉ शशि प्रकाश सिंह, डॉ. निशा परवेन, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. निशा आर्य, डॉ. आशा गड़िया, महेश कन्याल, राम जगदीश सिंह, विपिन थापा, सुनील कुमार तथा संतोष चन्द, बुधराज सिंह, बेअंत कौर, सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कार्मिक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि जोशी द्वारा किया गया।

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखों, विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक ही स्वयं उत्तरदायी होगा। समाचार पत्र से संबंधित सभी विवादों का निपटारा केवल मेरठ न्यायालय में मान्य होगा। सम्पादक

मालिक मुद्रक व प्रकाशक तव्वसुम कुरैशी ने विनेद गोल्यामी प्रिंटिंग प्रेस 44, हनुमानपुरी, सूरज कुण्ड रोड, मेरठ 250002 से छपवाकर, कार्यालय 63, खिशतफजान, नियर-बनिया पाड़ा, पुलिस चौकी मेरठ से प्रकाशित किया।
सम्पादक-तव्वसुम कुरैशी, फो.-9368347421, मेल :- bulandvani@gmail.com आरएनआई नं. UPHIN/2016/71045